

आप बही नं० 141 R.-21
 आमत महकमा सब-रजिस्ट्रार

063 F

Rachal Government Judicial Paper

आप इस किसम
 की हो इसोमाल
 की बगुनी किलाब
 की बगुनी किलाब में
 की बगुनी किलाब में

नम्बर सुमार इन्द राज मुबामले
 के मालीयत और नोइयत और
 कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम
 और तावान वसूल बुदा

आप 130/2
 45
 1200/-
 100 = 26.00
 12 1.10
 27.10
 20/1/15
 350.

रजिस्ट्रार, (निर पंज २५)
 मुनीब सुमार
 8-5-79

बैनामा बालीगती 1200/-
 बरखालाया 1201-8 दिता 2

के करग पद पुत्र से मात रेखा उगा
 रण्डेर परगना लोहा टिके का

जी कि मुसल आलाफो तादाद 1-13
 रबलरा 323 (लाता तबानी) 1/19
 मुहाल रण्डेर परगना लोहा टिके का
 मालक व काठन श्री सुमार की मुद्रा
 जयूर के पेशेन कर लया मतभुला की
 उत लिए मुसल ने आलाफो उत हमदस्त
 भूर जमाल पुत्र उलम दोन उगा जुरी
 परगना लोहा टिके का ब. व. 1200/-
 व व फोखत करने का लोहा कर के
 अपन मुद्रा के कुल जर व व दस्तगा
 अपने जगहा वसूल पालिया हुका
 कोई दाम बकला लेना नहीं रहा
 अत. बदले 1200/- द. निक कि
 के 600/- होते श्री मुसल ने आप रोय
 आपकी उत हमदस्त भूर जमाल व व
 फोखत कर के बरखा की दे दिया
 अबबेरा कोई दक लअलक वास्ता
 नही रहा. मुशरी मजबूर मिल मुसल
 कामल बालक व काठन रकबा मुबेडा
 लंदर का हो जेगा श्री रकबा मुबेडा
 कबल आपकी रहन व व व जेगा
 पात्र व लाफ द. अब व
 जिला जेगा द. अत. व जेगा

असहमत लिखित 2 मालीमती 120/- 6 मर्रा
दुसरे शासन है।

6/10/23
बच-राजस्वार, (उप प्रबन्धक)
पुणे 8/5/79

वसुधा. वैनागा दजा आज लिखित 8-5-79 वराज
असहमत वराज 1 व 2 वराज दिन के वराज
श्री वराज-चन्द पुत्र श्रीमती रानी शासन (वराज)
पुणे लिखित के वराज वराज वराज
वराज वराज वराज वराज वराज
वराज वराज वराज वराज वराज
वराज वराज वराज वराज वराज

कर्मन्

6/10/23
बच-राजस्वार, (उप प्रबन्धक)
पुणे 8/5/79

142
 नं० १
 R-21

सब-रजिस्ट्रार—
 नम्बर सुधार इन्टरज सुधारके
 के मालीयत कोर नोदयत कोर
 कोमत रजिस्ट्री म दीयर रसुम
 कोर सामान वसुल सुदा

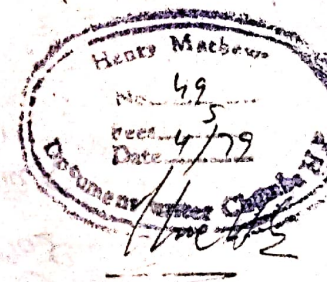
chal Government Judicial Paper

हजा सुदा नालीगना लिख दिया कि
 सन्द ही ३/५/१९

सब-रजिस्ट्रार, (नं० पंजाब)
 ८-५-१९

सादी	हलनाहा	सादी
रुजी सुष परजा	करम यद	मुरपमाल
जम अथ लोग	उल	पुष गुलाबदेक
परजालो हावो	मार्ग	जम दलेरा
रम		परगना
		लोहखी

१९/१९



मजदूर व सीमा के नाम पर दत्त व दत्त व दत्त 400 रु
 श्री कर्म चन्द नाम के पुत्र व समकालीन
 गंगा जल से उभर आया तमदीक व तमदीक
 किता और तमदीक दत्तकाल से दत्तकाल
 किता जल से 1200/- (दत्त से दत्त)
 दत्त ने मुद्राजी से अपनी जगह दत्त पर दत्त
 तमदीक किता दत्त आवाजी मुद्राजी के नाम
 मुद्राजी से दत्त किता! श्री दत्त को
 श्री दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त
 दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त

दत्त दत्त

दत्त मुद्राजी

दत्त दत्त

दत्त

दत्त

दत्त दत्त

दत्त दत्त 8/5/75

दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त
 दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त
 दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त

दत्त दत्त

दत्त दत्त 8/5/75

45 B. No. 1. 11 127

दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त

दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त

दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त दत्त

दत्त दत्त

दत्त दत्त 8/5/75